दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

अमेरिकी सांसद ने ईरान पर हमले के लिए ट्रंप की ताकत सीमित करने वाला बिल पेश किया

वाशिंगटन एजेंसी

ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी से संबंध रखने वाले सांसद थॉमस मैसी ने एक ऐसा प्रस्तावित कानून (बिल) पेश किया है जिसके तहत अमेरिका के राष्ट्रपति को ईरान पर हमला करने से पहले कांग्रेस की मंजूरी लेना अनिवार्य होगा।

इस बिल में राष्ट्रपति ट्रंप को यह आदेश दिया गया है कि वे ईरान पर ऐसे सभी हमले तुरंत बंद करें जो कांग्रेस की अनुमति के बिना किए जा रहे हैं।

सोमवार को इसी तरह का एक और बिल अमेरिकी सीनेट में भी पेश किया गया।

हालाँकि संभावना है कि अगर यह कानून कांग्रेस से पास भी हो जाता है तो राष्ट्रपति ट्रंप इसे वीटो कर सकते हैं, लेकिन युद्ध विरोधी कार्यकर्ताओं का मानना है कि इस प्रयास से ईरान के साथ युद्ध के विरोधियों की ओर से ट्रंप पर दबाव और बढ़ेगा।

बीड (महाराष्ट्र) वर्ष-१ ला अंक-३१७ वा बुधवार १८ जून २०२५ RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 किमत : २ रूपये पन्ने - ४

इज़राइली हमलों के खिलाफ मुस्लिम देशों का एकजुट रुख-२१ देशों ने जारी किया संयुक्त बयान

दुबई / अम्मान / काहिरा । विशेष संवाददाता

इज़राइल की हालिया सैन्य कार्रवाइयों और हमलों के खिलाफ २१ मुस्लिम और अरब देशों ने अभूतपूर्व एकता का प्रदर्शन करते हुए एक महत्वपूर्ण संयुक्त बयान (जॉइंट कम्युनिके) जारी किया है। इसमें इज़राइल की सैन्य आक्रामकता की कड़ी निंदा की गई और वैश्विक समुदाय से तत्काल हस्तक्षेप की अपील की गई है।

९ संयुक्त बयान के मुख्य बिंदु:

१. इज़राइल की आलोचना:

मुस्लिम देशों ने इज़राइल द्वारा ईरान और अन्य पड़ोसी देशों पर किए गए मिसाइल और हवाई हमलों को अंतरराष्ट्रीय कानून का घोर उल्लंघन बताया है।

२. क्षेत्रीय शांति की अपील:

सभी देशों ने कहा कि क्षेत्र में जारी संघर्ष न केवल मध्य पूर्व, बल्कि पूरी दुनिया की स्थिरता के लिए खतरा है। उन्होंने तत्काल संघर्ष विराम (सीज़फायर) और कूटनीतिक संवाद की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।

३. परमाणु हमलों की चेतावनी:

संयुक्त बयान में परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमलों को खतरनाक और अस्वीकार्य बताते हुए कहा गया कि ऐसा करना परमाणु प्रसार रोकने के वैश्विक प्रयासों

को नुकसान पहुँचाता है।

४. मध्य पूर्व को थचऊ-रहित क्षेत्र बनाने की माँग:

बयान में सभी देशों ने इस बात पर सहमति जताई कि मध्य पूर्व को WMD (Weapons of Mass Destruction) मुक्त क्षेत्र बनाना समय की आवश्यकता है।

५. मानवाधिकार और संप्रभुता का सम्मान:

मुस्लिम देशों ने कहा कि हर देश की संप्रभुता, सुरक्षा और नागरिकों की जान की हिफाज़त की जिम्मेदारी अंतरराष्ट्रीय समुदाय की है।

प्रतिक्रिया और पृष्ठभूमि:

यह संयुक्त बयान सऊदी अरब, तुर्की, मिस्र, कतर, जॉर्डन, इंडोनेशिया, मलेशिया और अन्य इस्लामी सहयोग संगठन (जखउ) के सदस्य देशों द्वारा समर्थित है। बयान को णछ और अन्य वैश्विक मंचों पर भी भेजा गया है ताकि इज़राइली कार्रवाइयों पर रोक लगाने के लिए दबाव बनाया जा सके।

मुस्लिम दुनिया ने इस बार कूटनीतिक और सशक्त स्वर में एकजुटता दिखाई है। यह न सिर्फ इज़राइल को चेतावनी है, बल्कि यह भी संकेत है कि अगर अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने जल्द हस्तक्षेप नहीं किया, तो पूरा क्षेत्र एक बड़े युद्ध की चपेट में आ सकता है।

संघर्ष नहीं समाधान – यही संदेश है इस साझा बयान का। अब देखना होगा कि वैश्विक शक्तियाँ इस पर कैसी प्रतिक्रिया देती हैं।

बोगस शिक्षक भर्ती की जांच के लिए उपसंचालक बीड़ पहुंचे

शिक्षा अधिकारी और संस्था संचालकों से पूछताछ शुरू होगी

बीड़, १७ जून:

जिले में कथित रूप से हुई बोगस शिक्षक भर्ती की गंभीरता को देखते हुए अब राज्य शिक्षा विभाग सक्रिय हो गया है। इस प्रकरण की तह तक पहुंचने के लिए शिक्षा उपसंचालक खुद बीड़ में पहुंच गए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस प्रकरण में शिक्षा अधिकारियों और शैक्षणिक संस्था संचालकों से पूछताछ की जाएगी। जिन शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया पर सवाल उठाए गए हैं, उनके दस्तावेजों की भी बारीकी से जांच की जाएगी।

सूत्रों के मुताबिक, कई शिक्षकों की नियुक्तियाँ नियमों के खिलाफ बताई जा रही हैं। इन सभी मामलों में विस्तृत जांच शुरू हो गई है, और संबंधित लोगों को नोटिस देकर तलब किया जा रहा है।

इस कार्रवाई से जिले के शिक्षा क्षेत्र में हलचल मच गई है और अन्य शैक्षणिक संस्थाओं में भी दस्तावेजों की छानबीन का दौर शुरू हो सकता है।

बीड ज़िले में साथी समिति की स्थापना – निराश्रित बच्चों को मिलेगा पहचान और अधिकार

बीड । प्रतिनिधि विशेष

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, मुंबई के निर्देशानुसार, देशभर में १३ अगस्त २०२५ से १५ अगस्त २०२५ तक निराधार बच्चों के संबंध में साथी अभियान चलाया जाएगा। इसी के अंतर्गत बीड ज़िले के लिए जिला साथी समिति का गठन किया गया है।

इस अभियान का उद्देश्य है – ज़िले के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले १८ वर्ष से कम उम्र के निराधार और बेवारिस बच्चों का सर्वेक्षण कर उन्हें आधार कार्ड के माध्यम से आधिकारिक पहचान दिलाना और उन्हें कानूनी व सामाजिक सुविधाएँ प्रदान करना।

विशेष अभियान के प्रमुख बिंदु:

यह अभियान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बीड के अध्यक्ष एवं प्रमुख जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री आनंद एल. यावलकर के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है।

जिन बच्चों के पास कोई प्रमाण नहीं है, उन्हें भी आधार कार्ड के ज़रिए पहचान एवं सरकारी योजनाओं में भागीदारी का अवसर मिलेगा।

यह पहल बालहित सर्वोपरी के सिद्धांत पर आधारित है, जिसका उद्देश्य बच्चों का समग्र विकास और पुनर्वास करना है।

अभियान की समयसीमा:

२६ जून २०२५ तक सर्वेक्षण पूरा किया जाएगा।

२५ अगस्त २०२५ तक आधार पंजीकरण के ज़रिए आधिकारिक पहचान उपलब्ध कराई जाएगी।

विधिक स्वयंसेवकों की भूमिका:

बीड ज़िले में नियुक्त पैरा लीगल वॉलंटियर्स को शहर और सभी तालुकाओं में बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, बालगृह, ईंट भट्टों, गन्ना मजदूर बस्तियों, सार्वजनिक स्थलों और सामाजिक संस्थाओं का दौरा कर निराश्रित बच्चों की पहचान और जानकारी एकत्र करने का कार्य सौंपा गया है।

सहभागी संस्थाएँ:

अभियान के अंतर्गत गठित साथी समिति में निम्नलिखित विभाग और संस्थाएँ शामिल हैं:

विधिक सेवा प्राधिकरण

सभी तहसीलदार

पुलिस विभाग

आरोग्य एवं शिक्षा विभाग

बाल कल्याण समिति

महिला एवं बाल विकास अधिकारी

जिला आरोग्य अधिकारी

बाल संरक्षण अधिकारी

बालगृह/निवासगृह/अनाथाश्रम के प्रतिनिधि

सामाजिक संस्थाएँ, वकील एवं चिकित्सक आदि

सभी सदस्य मिलकर समन्वित रूप से इस कार्य को अंजाम देंगे। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बीड के सचिव इस अभियान के समन्वयक होंगे।

नागरिकों से अपील:

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, गाँव के प्रतिष्ठित व्यक्तियों तथा स्वयंसेवी संगठनों से अपील की है कि यदि उन्हें कोई निराधार, बेवारिस बालक/बालिका दिखे, तो उसकी जानकारी तत्काल संबंधित विधिक स्वयंसेवक या चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर १५१०० पर साझा करें।

यह अभियान सुनिश्चित करेगा कि कोई भी बालक न्याय, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा जैसे अपने मौलिक अधिकारों से वंचित न रहे। बीड ज़िले में इस साथी अभियान के माध्यम से सैकड़ों निराश्रित बच्चों को न सिर्फ पहचान मिलेगी, बल्कि उन्हें सम्मानजनक जीवन की ओर अग्रसर करने में भी मदद मिलेगी।

नई शिक्षा नीति २०२० को केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी

दसवीं बोर्ड अब अनिवार्य नहीं, एमफिल डिग्री बंद होगी

नई दिल्ली, (तामीर न्यूज)

जून: भारत सरकार ने ३४ साल बाद देश की शिक्षा व्यवस्था में बड़ा बदलाव करते हुए नई शिक्षा नीति २०२० को मंजूरी दे दी है। यह नीति केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत की गई है और इसे पूरे देश में लागू किया जाएगा। इसके साथ ही पुरानी १०+२ प्रणाली को समाप्त कर ५+३+३+४ की नई शिक्षा प्रणाली शुरू की जाएगी।

नई नीति के अनुसार अब बच्चों की शिक्षा चार चरणों में दी जाएगी –

५ वर्ष का प्रारंभिक चरण (नर्सरी से कक्षा २ तक),

३ वर्ष का प्राथमिक चरण (कक्षा ३ से ५),

३ वर्ष का माध्यमिक चरण (कक्षा ६ से ८),

और ४ वर्ष का उच्चतर माध्यमिक चरण (कक्षा ९ से १२)।

प्रमुख निर्णयों में दसवीं की बोर्ड परीक्षा अब अनिवार्य नहीं होगी और सिर्फ बारहवीं में बोर्ड परीक्षा होगी। इसके अलावा एमफिल की पढ़ाई पूरी तरह से बंद की जा रही है। अब ग्रेजुएशन की डिग्री तीन या चार वर्षों की होगी। एक वर्ष पढ़ाई पर सर्टिफिकेट, दो वर्ष पर डिप्लोमा, तीन वर्ष पर डिग्री और चार वर्ष पढ़ने वाले छात्र एक साल में ही एमए कर सकेंगे।

पांचवीं तक की पढ़ाई अब मातृभाषा, स्थानीय भाषा या राष्ट्रीय भाषा में होगी और अंग्रेज़ी केवल एक विषय के रूप में पढ़ाई जाएगी। कक्षा ९ से १२ तक सेमेस्टर पद्धति लागू की जाएगी। एमए करने वाले छात्र अब सीधे पीएचडी में प्रवेश ले सकेंगे।

अगर कोई छात्र बीच में पढ़ाई छोड़ना चाहता है तो उसे कुछ समय का अवकाश लेकर दूसरे कोर्स में प्रवेश लेने की छूट दी जाएगी।

सरकार ने २०३५ तक उच्च शिक्षा में प्रवेश दर को ५०% तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। इसके अलावा उच्च शिक्षा संस्थानों को शैक्षणिक, प्रशासकीय और आर्थिक स्वायत्तता दी जाएगी। प्रादेशिक भाषाओं में ई-कोर्स, वर्चुअल लैब और राष्ट्रीय शैक्षणिक तंत्र मंच' की स्थापना की जाएगी।

यह नीति देशभर के सरकारी, निजी और डीम्ड यूनिवर्सिटीज़ पर समान रूप से लागू होगी और सभी के लिए एकसमान नियम बनेंगे।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वो साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

पाटोदा में 'प्रियदर्शिनी प्राथमिक स्कूल' की नई इमारत का निर्माण होगा

डॉ. सारिका क्षीरसागर के हाथों आधारशिला रखी गई

बीड, १७ जून (संवाददाता):

पाटोदा में स्थित 'विनायक युवक कल्याण संस्था' के ज़ेरे इंतेज़ाम 'प्रियदर्शिनी प्राथमिक स्कूल' की नई इमारत का तामीरी काम मंगलवार, १७ जून को डॉ. सारिका क्षीरसागर के हाथों अंजाम पाया।

यह स्कूल अब तक पाटोदा शहर के श्रीराम कॉम्प्लेक्स में एक प्राइवेट मकान में चल रहा था। लेकिन छात्रों को बेहतर तालीमी सहूलियतें देने के मक़सद से संस्था ने अब

अपनी मिल्कीयत वाली ज़मीन पर मुकम्मल इमारत बनाने का फ़ैसला किया है।

इस मौके पर संस्था के इंतेज़ामी अफ़सर डॉ. सुधाकर गुट्टे, दफ़्तर सुपरिंटेंडेंट डॉ. विश्वंभर देशमाने, स्कूल के हेडमास्टर पवनकुमार मोरे, कन्या स्कूल के हेडमास्टर सचिन खोले, श्रीकांत लांडगे, बबन राख, पोपट उगले, संकेत माताडे, जयश्री शेलार, नवनाथ ठाकणे, अनिल राख, प्रताप नवले, मुळे और दीगर तालीमी व गैर-तालीमी अमला मौजूद था। नई इमारत की तामीर का मक़सद बच्चों को बेहतर माहौल और सहूलियतें मुहैय्या कराना है।

अतिरिक्त जानकारी:

डॉ. सारिका क्षीरसागर ने पाटोदा में 'विनायक युवक कल्याण संस्था' द्वारा संचालित 'प्रियदर्शिनी प्राथमिक स्कूल', 'प्रियदर्शिनी कन्या स्कूल' और 'नवगण शिक्षण संस्था' के ज़ेरे इंतेज़ाम 'वसंतदादा पाटील कॉलेज' का भी दौरा किया। इस दौरान उन्होंने नए तालीमी साल के आग़ाज़ पर छात्रों को खुश-आमदीद कहा और उनके रौशन मुस्तक़बिल के लिए नेकी की दुआएं दीं।

मिल्लिया माध्यमिक विद्यालय धारूर में नए शैक्षणिक वर्ष के पहले दिन छात्रों का फूलों से स्वागत

धारूर से विशेष संवाददाता की रिपोर्ट

धारूर, १६ जून: अंजुमन इशाअत-ए-तालीम बीड़ द्वारा संचालित मिल्लिया माध्यमिक विद्यालय, धारूर में सोमवार को नए शैक्षणिक वर्ष के पहले दिन विद्यार्थियों का फूलों से स्वागत कर शैक्षणिक सामग्री एवं पुस्तक वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य काज़ी ज़ैनुल आबेदीन सर ने की, जबकि विशिष्ट

अतिथि के रूप में बड़ी संख्या में अभिभावकगण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत पवित्र कुरआन की तिलावत से हुई, जिसके बाद नात-ए-पाक भी पढ़ी गई। विद्यार्थियों को टिफिन बॉक्स, पानी की बोतल, कैंपस बॉक्स सहित जरूरी शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई।

इसके साथ ही सभी छात्रों को पाठ्यपुस्तकों का वितरण भी किया गया।

कार्यक्रम का संचालन कमरान सर ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन अयाज़ कागज़ी सर ने प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर वाजिद सर, फिरोज सर, माजिद सर, नज़ीर सर, रेहान सर, इंज़माम सर, मिस मसर्रत, मिस फरहीन, मिस हुमैरा, आदिल चौस, और शेख मुबीन सहित विद्यालय का संपूर्ण स्टाफ उपस्थित रहा।

कार्यक्रम पूरी गरिमा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

जिंतूर पाणीपुरवठा का अजब कारभार नलोसे शहरवासियों को दुर्गंधी युक्त पाणी पुरवठा

शहरवासियों के आरोग्य से खिलवाड़ इस का ज़िम्मेदार कौन!

जिंतूर (प्रतिनिधी) शहर को ऐलदरी जलाशय से पाणी की आपूर्ति की जाती है! वहां से पाणी ऐलदरी रोड पर स्थित फिल्टर प्लांट पर जलकुंभ में आता है! और वहां से सिधा शहर के विविध भाग के जलकुंभ में पाणी शहरवासियों को स्पलाई किया जाता है! मगर गत कई दिनों से शहरवासियों को नलों द्वारा दुर्गंधी युक्त गंदा पाणी आ रहा है! जिस के कारण शहरवासियों को स्वास्थ्य खराब हो रहा है! उल्टी संडास से दवाखाने फुल हों रहें हैं! शहरवासियों ने इस की शिकायत नगर परिषद प्रशासन कई। बार की हैं! मगर कुंभकर्ण की निंद में सोई नगर परिषद प्रशासन पर शहरवासियों के शिकायत का कोई असर दिखाई नहीं दे रहा है! जिंतूर मतदारसंघ का नेतृत्व महाराष्ट्र राज्य की राज्यमंत्री तथा परभणी जिल्हे की पालकमंत्री सौ मेघना दीदी साकोरे बोर्डीकर कर रहीं हैं! उनके पास महाराष्ट्र राज्य की बड़ी जिम्मेदारी है! वो नगर परिषद प्रशासन पर एक कर्तव्य दक्ष मुख्याधिकारी की नियुक्ति की हैं! के नगर परिषद के माध्यम से शहरवासियों को अच्छी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाये! मगर नगर परिषद प्रशासन के सभी विभागों के कर्मचारी कामचोरी के कारण शहरवासियों को नगर परिषद की अच्छी सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पा रही है! ऐसे कामचोर कर्मचारियों पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए! पालकमंत्री सौ मेघना दीदी साकोरे बोर्डीकर इस ओर ध्यान दें और शहरवासियों को मुबलग अच्छी सुविधाएं उपलब्ध कराये! ऐसी मांग शहरवासियों की ओर से की जा रही है!

सुधाकर बडगुजर बीजेपी में शामिल, विधायक सीमा हिरे का विरोध दरकिनार; ठाकरे गुट को नाशिक में झटका

रिपोर्ट: जमीर काज़ी, मुंबई, १७ जून

नाशिक में बीजेपी विधायक सीमा हिरे के तीव्र विरोध को नजरअंदाज करते हुए पार्टी के प्रदेश नेतृत्व ने शिवसेना (ठाकरे गुट) के पूर्व जिलाध्यक्ष सुधाकर बडगुजर को उनके सैकड़ों समर्थकों के साथ बीजेपी में शामिल कर लिया।

मंगलवार को मुंबई स्थित प्रदेश कार्यालय में एक बड़े शक्ति प्रदर्शन के साथ यह पक्षप्रवेश हुआ। इस अवसर पर पूर्व मंत्री बबनराव घोलप ने भी अपने समर्थकों के साथ कमल का दामन थामा।

स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारी के बीच यह पक्ष परिवर्तन ठाकरे गुट के लिए नाशिक जिले में एक बड़ा झटका माना जा रहा है। सुधाकर बडगुजर ने कहा कि उन्होंने १८ वर्षो तक पार्टी के लिए ईमानदारी से काम किया, लेकिन लगातार उपेक्षा के चलते यह निर्णय लिया। आगामी महापालिका चुनाव में वह अपनी ताकत दिखाएंगे।

हालांकि बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुळे ने सुबह इस प्रवेश की जानकारी से इनकार किया था, लेकिन यह कार्यक्रम जलसंपदा मंत्री गिरीश महाजन की पहल पर संपन्न हुआ। इस मौके पर प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने बडगुजर और उनके समर्थकों का स्वागत किया।

कुछ दिन पहले सुधाकर बडगुजर ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर अपनी नाराज़गी जाहिर की थी। इसके बाद ठाकरे गुट ने उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया। तभी से उनके बीजेपी में आने की अटकलें तेज थीं, हालांकि विधायक सीमा हिरे और कुछ अन्य पदाधिकारियों ने इसका विरोध किया था। बावजूद इसके पार्टी नेतृत्व ने बडगुजर के साथ उनके समर्थकों को बीजेपी में शामिल कर लिया।

इस मौके पर डॉ. राजेंद्र फडके, प्रदेश प्रवक्ता लक्ष्मण सावजी, जिलाध्यक्ष सुनील केदार, बाळासाहेब सानप, विजय साने, पूर्व महापौर अशोक मुर्तडक, नयना घोलप आदि मौजूद थे।

बावनकुळे ने कहा कि यह प्रवेश नाशिक के विकास के लिए किया गया है, किसी पद की अपेक्षा से नहीं। सभी नए कार्यकर्ताओं को सम्मान मिलेगा और आगामी चुनाव में बीजेपी ५१% से अधिक वोट पाने का लक्ष्य लेकर चलेगी।

इस अवसर पर रविंद्र चव्हाण ने कहा कि सभी नए कार्यकर्ता भाजपा की विचारधारा को नीचे तक पहुंचाएं और आगामी नाशिक महापालिका चुनाव में अबकी बार १०० पार का लक्ष्य रखें।

आज बीजेपी में शामिल हुए प्रमुख नामों में हैं:

पूर्व नगरसेवक अशोक सातभाई,

पूर्व नगरसेविकाएं हर्षा बडगुजर, वंदना बिरारी, शीतल भामरे,

पूर्व सभागृह नेता दिलीप दातीर,

जलगांव जिले से प्रभाकर सोनावणे, विनोदकुमार पाटील, आर. जी. पाटील, अनील पाटील, आरती पाटील, लता पाटील,

पुसद से मनसे के पूर्व प्रत्याशी अश्वीन जयस्वाल, छत्रपति संभाजीनगर से भगवान पवार, उद्योगपति मनोज पवार आदि।

इस तरह, बीजेपी ने उत्तर महाराष्ट्र की महापालिकाओं में पकड़ मजबूत करने के संकेत दे दिए हैं।

कुंडमळा पुल को मंजूरी ८० हजार नहीं, ८ करोड़ की थी: रविंद्र चव्हाण का खुलासा

रिपोर्ट: जमीर काज़ी, मुंबई, १७ जून

मुंबई में सोमवार को एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बीजेपी के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष और तत्कालीन सार्वजनिक बांधकाम मंत्री रविंद्र चव्हाण ने स्वीकार किया कि इंद्रायणी नदी पर कुंडमळा के पादचारी पुल के लिए दिए गए मंजूरी पत्र में भले ही राशि ८० हजार रुपये लिखी हो, लेकिन उसे हज़ार से गुणा कर यानी ८ करोड़ रुपये की वास्तविक मंजूरी मानी गई थी।

यह बयान तब आया जब शिवसेना (ठाकरे गुट) के सांसद संजय राऊत ने सवाल उठाया था कि आखिर ८० हजार में पुल कैसे बना और बाकी की रकम किसने हड़प ली? उन्होंने चव्हाण द्वारा ११ जुलाई २०२४ को दिए गए पत्र का हवाला दिया था जिसमें केवल ८० हजार रुपये की मंजूरी दर्ज थी।

इस पर चव्हाण ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस में सफाई देते हुए कहा कि:

संजय राऊत को बजट कैसे पढ़ते हैं यह सीखने की ज़रूरत है। बजट में सभी आंकड़े हज़ार में लिखे जाते हैं। अगर उन्हें यह समझ नहीं आता तो मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की किताब अर्थसंकल्प - सरल भाषा में' उन्हें भेंट की जाएगी।

रविंद्र चव्हाण ने साफ किया कि बजट की राशि हमेशा हज़ारों में दर्शाई जाती है, और ८० हजार गुणा १,००० = ८ करोड़ रुपये की मंजूरी थी, न कि मात्र ८० हजा।

उन्होंने यह भी कहा कि हादसे के पीछे किसी अधिकारी की लापरवाही होगी तो जांच कर सख्त कदम उठाए जाएंगे।

यह मुद्दा अब विपक्ष के लिए बड़ा हथियार बन सकता है, और देखना होगा कि आने वाले दिनों में राऊत और विपक्ष की प्रतिक्रिया क्या रहती है।

धनंजय जगताप अपने समर्थकों के साथ राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार गुट) में शामिल

बीड, १७ जून (प्रतिनिधि)

बीड पंचायत समिति के पूर्व उपसभापति अरुण जगताप के पुत्र धनंजय जगताप ने आज अपने कई समर्थकों के साथ राष्ट्रवादी कांग्रेस शरदचंद्र पवार गुट में शामिल होकर पार्टी को मजबूत करने का ऐलान किया।

यह पक्षप्रवेश समारोह मंगलवार को बीड शहर के राष्ट्रवादी भवन में आयोजित किया गया। इस मौके पर विधायक संदीप क्षीरसागर ने सभी नवप्रवेशित कार्यकर्ताओं का गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें आगे की राजनीतिक यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं।

धनंजय जगताप ने कहा कि उन्होंने विधायक संदीप क्षीरसागर के नेतृत्व पर विश्वास रखते हुए यह फैसला लिया है। इस अवसर पर पूर्व विधायक सय्यद सलीम, जिलाध्यक्ष राजेंद्र मस्के समेत पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

इस प्रवेश से पार्टी को बीड जिले में और मज़बूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

अहमदाबाद त्रासदी की जांच में कौन सी एजेंसी शामिल थी?

अमेरिका की बोइंग टीम भी अहमदाबाद आई।

हबीब शेख अहमदाबाद,

१२ जून देश के इतिहास में सबसे दुखद दिन था, क्योंकि लगभग २७० लोग मारे गए। अमेरिकी विमान निर्माता कंपनी बोइंग की एक तकनीकी टीम कल से ही अहमदाबाद में है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि दुर्घटना कैसे हुई। एयर इंडिया का विमान १७१ हवाई अड्डे से उड़ान भरने के दो मिनट बाद ही मेडिकल कॉलेज के मेस से गुजरते हुए दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस जांच में भारत की फोरेंसिक, आतंकवाद निरोधक टीम और विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो जैसे अन्य संगठन भी शामिल होंगे, जो दुर्घटना की गहराई से जांच करेंगे।

बताया जा रहा है कि सभी विशेषज्ञ विमान की गति, उसकी ऊंचाई, इंजन थ्रस्ट, फ्लैप स्थिति, ईंधन स्तर और अन्य पहलुओं की जांच करेंगे। टीम अपने साथ उस क्षेत्र से एकत्रित मलबा और अन्य जली हुई वस्तुएं भी ले जाएगी, जहां विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। इसके अलावा, वे उन लोगों से भी जानकारी प्राप्त करेंगे जिन्होंने विमान को दुर्घटनाग्रस्त होते देखा था और यह भी कि क्या कोई घायल हुआ है।

विमान बनाने वाली कंपनी बोइंग की एक टीम कल ही अहमदाबाद पहुंच चुकी थी और उसने वहां अपना काम शुरू कर दिया। इस प्रकार, परिवार के दूसरे या तीसरे सदस्य ने भी अपने प्रियजनों को खो दिया है। ऐसे लोगों को प्रशासन की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है और न ही उन्हें उस सटीक स्थान के बारे में बताया गया है जहां से वे उड़ान भर रहे हैं। यदि आप ध्यान से देखेंगे तो पाएंगे कि जब विमान ने लंदन से उड़ान भरी थी तो वह रखरखाव के लिए वापस नहीं आया। टीम ने दुर्घटना के समय शहर के तापमान, मौसम कैसा था, एटीएस संपर्क में थी या नहीं, इन सब पर भी विशेष ध्यान दिया। यह देखना बाकी है कि यह टीम अपनी रिपोर्ट कब प्रस्तुत करेगी।

आपदा का दूसरा बुरा प्रभाव, लंदन के लिए सीधी उड़ान रद्द

हबीब शेख, अहमदाबाद,

अहमदाबाद से लंदन जाने वाली सभी सीधी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं, तथा लंदन जाने वाली एयर इंडिया की सभी उड़ानें पहले दिल्ली और फिर अमृतसर होकर जाएंगी, जिससे यात्रियों को दस घंटे से अधिक समय तक विमान में ही बैठना पड़ेगा। इसका मतलब यह है कि यदि उड़ान यात्रियों को दस घंटे में लंदन ले जाती थी, तो अब उन्हें लंदन पहुंचने में ४७ घंटे लगेंगे। कतर एयरवेज दोहा से लंदन तक १४ घंटे में

मुंबई और इस्तांबुल होते हुए इंडिगो की उड़ानें भी १९-३० घंटे का समय लेती हैं, लेकिन लंदन जाने वालों ने एयर इंडिया की नई समय सारणी देखकर नाराजगी जताई है। इसी प्रकार, दुबई में रुककर लंदन जाने वाली एमिरेट्स की उड़ानें भी हीथ्रो हवाई अड्डे पर ३१ घंटे में पहुंचती हैं, लेकिन एयर इंडिया की ४७ घंटे की यात्रा ने कुछ लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या वे अपनी टिकटें रद्द कर सकते हैं।

बेंगलुरू से वर्जिन एयरलाइंस की उड़ान से लंदन पहुंचने में केवल २१ घंटे लगते हैं। १२ जून की त्रासदी के बावजूद लोग अभी भी डरे हुए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, लंदन आने वाले लोगों की संख्या में लगभग ७० प्रतिशत की कमी आई है।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharash-tra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com